मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 161, मुंबई, शनिवार, 30 जुलाई, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

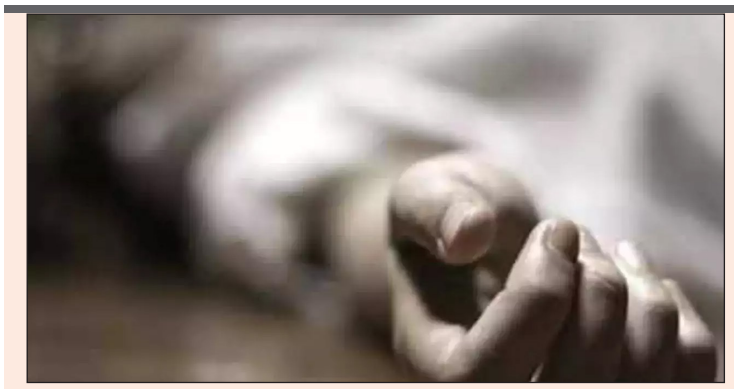

मुंबईः घर के अंदर एक परिवार के चार शव मिलने से
हड़कंप
दो बच्चे भी शामिल

शवों को पोस्टमार्टम के लिए मुंबई के चेंबूर स्थित शताब्दी अस्पताल में भेजा गया

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के शिवाजीनगर इलाके में एक ही घर में परिवार के चार लोगों के शव मिले हैं। चार में से दो शव बच्चों के हैं। शिवाजी नगर के गोवंडी के पास बैंगनवाड़ी इलाके में इन चारों के शव मिले हैं। पुलिस जांच में जुट गई है। गोवंडी के बैंगनवाड़ी में इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है। अभी जो चार शव बरामद हुए हैं उनमें दो शव बच्चों के भी होने की वजह से इलाके में हडकंप मच गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद, मौत की वजहों का लगेगा अंदाज

शिवाजी नगर पुलिस ने बरामद हुए चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मुंबई के चेंबूर स्थित शताब्दी अस्पताल में भेजा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजहों का अंदाज लगाया जा सकेगा। इसलिए पुलिस फिलहाल इस बारे में कुछ भी ज्यादा जानकारियां देने से मना कर रही है। यहां तक कि मृतकों की पहचान भी जारी नहीं की गई है।

दिल्ली में इंटरनेशनल ड्रग तस्करों का भंडाफोड़

130 करोड़ की हेरोइन बरामद

अफगान नागरिक सहित 4 गिरफ्तार

संवाददाता / नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम बांच के हाथ बड़ी सफलता हाथ लगी है। क्राइम ब्रांच ने एक इंटरनेशनल ड्रग तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक अखिल भारतीय अभियान में 130 करोड़ रुपये (अंतर्राष्ट्रीय बाजार में) मूल्य की 21.400 किलो अति उत्तम गुणवत्ता वाली हेरोइन बरामद की। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका

भतीजे निहार ठाकरे ने शिंदे गुट का किया समर्थन

मुंबई। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे गुट को झटका देते हुए बड़ी सेंधमारी की है। उद्धव ठाकरे के भतीजे निहार शिंदे ने एकनाथ ठाकरे से मुलाकात कर अपना समर्थन दिया है। निहार उद्धव ठाकरे के बड़े भाई बिंदुमाधव के बेटे हैं। इससे पहले बाल ठाकरे की बहू स्मिता ठाकरे ने भी एकनाथ शिंदे से मुलाकात की थी। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

कौन हैं निहार ठाकरे?

निहार ठाकरे के पिता बिंदुमाधव ठाकरे की 1996 में एक रोड ऐक्सिडेंट में मौत हो गई। बिंदुमाधव, बालासाहब ठाकरे के तीन बेटों में से सबसे बड़े थे। उनके बाद उद्धव ठाकरे और जयदेव ठाकरे हैं। बिंदुमाधव राजनीति में सक्रिय नहीं थे। वे फिल्म निर्माता रहे हैं।

अंधेरी में चित्रकूट स्टूडियो में लगी भीषण आग

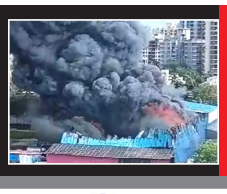

थर्माकोल-प्लास्टिक से बना था सेट

मुंबई। रणबीर कपूर स्टारर और फिल्ममेकर लव रंजन की अनटाइटल्ड फिल्म के सेट पर शुक्रवार दोपहर आग लग गई। आग मुंबई के अंधेरी वेस्ट इलाके चित्रकूट स्टूडियो में लगी थी, यहां पर फिल्म के सेट पर काम चल रहा था। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

असंयमित बोल

राजनीति में सच की तह तक पहुंचना दुरूह और अक्सर असंभव सा काम होता है। खासकर तब, जब मामला किसी की नीयत तय करने का हो। लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी का कहना है कि एक पत्रकार से बात करते समय उनकी जुबान फिसल गई और उनके मुंह से राष्ट्रपति की जगह 'राष्ट्रपत्नी' शब्द निकल गया। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी का आरोप है कि यह गलती से नहीं हुआ, उन्होंने जान-बूझकर महामहिम का अपमान करने के लिए ऐसा कहा था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की इस बात से भी असहमत नहीं हुआ जा सकता कि महामहिम के लिए जिस शब्द का इस्तेमाल हुआ, वह ह्यलैंगिक भेदभावह्ण वाला शब्द है। अगर हम अधीर रंजन चौधरी की ही बात को सच मान लें, तब भी गलती उन्हीं की मानी जाएगी। वह जिस जगह पर हैं, वहां से इस तरह की चूक की अपेक्षा नहीं की जाती। बावजूद इसके कि ऐसी चूक या ऐसा विवाद हमारे लिए नया नही हैं। कबीरदास ने इसीलिए कहा है, बोली एक अनमोल है, जो कोई बोलै जानि। हिये तराजू तौलि के, तब मुख बाहर आनि। कम से कम हमारे जो जन-प्रतिनिधि हैं, उनसे हम यही उम्मीद करते हैं। खासकर तब, जब राष्ट्रपति के बारे में कुछ कहा जा रहा हो। फिर मौजूदा महामहिम तो महिला भी हैं, और जनजातीय समुदाय से आती हैं। उनके बारे में कही गई कोई भी बात एक बहुत बड़े समुदाय को आहत कर सकती है। यह गलती से हुआ हो या जान-बूझकर, इस बयान से अधीर रंजन चौधरी ने अपने ही पांव पर कुल्हाड़ी मार ली है। यह बात उन्होंने उस वक्त कही, जब कांग्रेस और बाकी विपक्षी दल महंगाई के मसले पर सरकार को संसद में घेरने के लिए कमर कसे हुए थे। लोकसभा और राज्यसभा, दोनों से आने वाली खबरों के एक बड़े हिस्से पर महंगाई को लेकर विपक्ष का विरोध छाया हुआ था। लेकिन एक दिन के लिए ही सही, ये सभी चीजें पीछे चली गईं। मुद्दा बदल गया और महंगाई के मसले पर घिरती सरकार ने राहत की सांस ली। अभी तक जहां विपक्ष का हंगामा छाया हुआ था, वहीं हल्ला बोलने का मौका सत्ता पक्ष के हाथों में आ गया, और कांग्रेस बचाव की मुद्रा में थी। हंगामा शुरू हुआ, तो बात सिर्फ चौधरी तक सीमित नहीं रही, यह मांग उठने लगी कि कांग्रेस नेतृत्व भी माफी मांगे। भारतीय राजनीति में जिस तरह किंतु-परंतु के साथ माफी मांगने की परंपरा है, उसी अंदाज में अधीर रंजन चौधरी ने माफी मांग भी ली। लेकिन राजनीति की ऐसी माफियां विरोधी पक्ष को कभी संतुष्ट नहीं करतीं और यही इस मामले में भी हुआ। सांविधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों को लेकर कोई भी अशोभनीय टिप्पणी किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। इसलिए उम्मीद यही है कि मौजूदा प्रकरण से सबक लेते हुए सभी राजनीतिक दल ऐसे मामलों में सावधानी बरतेंगे। शुक्रवार को जब संसद बैठेगी, तो इस विवाद को पीछे छोड़ तमाम राजनीतिक दल आगे की सुध लेंगे। यह चिंता की बात है कि मानसून सत्र अभी तक ज्यादातर हंगामे की भेंट ही चढ़ा है। महंगाई, बेरोजगारी, रुपये की कीमत, जैसे सभी महत्वपूर्ण मसलों पर दोनों सदनों में चर्चा बहुत जरूरी है। अब वह चर्चा किस नियम के तहत हो, इसे लेकर सरकार और विपक्ष को आपसी सहमति बनानी होगी। संसद का बाकी काम भी देश के लिए उतना ही जरूरी है, यह सरकार और विपक्ष, सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए।

अपने ही कर्म भोग रही कांग्रेस

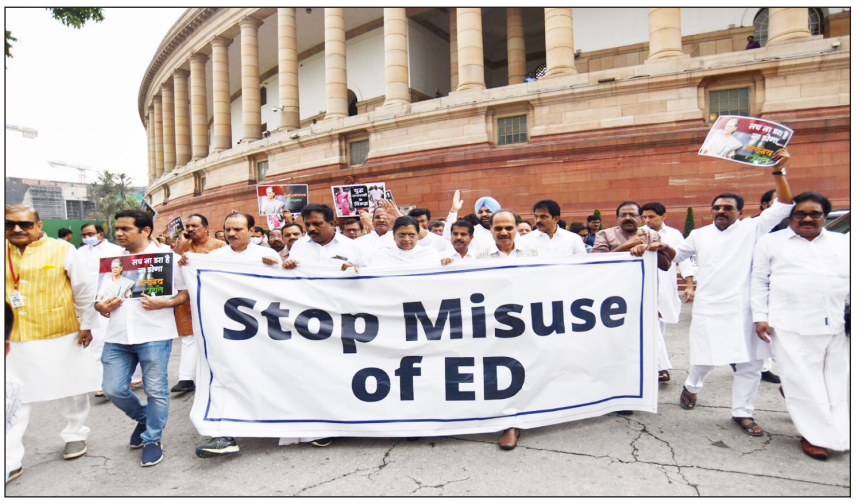

सर्वोच्च अदालत ने नाउम्मीद किया। उम्मीद की जा रही थी कि प्रवर्तन विदेशालय, ईडी के असीमित अधिकारों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च अदालत अपने पुराने फैसलों का ध्यान रखेगी और इसके अधिकारों को तर्कसंगत बनाने का फैसला सुनाएगी। लेकिन अदालत ने इसके हर अधिकार को न्यायसंगत ठहराया। छापा मारने, गिरफ्तार करने और संपत्ति जब्त करने के उसके अधिकार को सुप्रीम कोर्ट ने एब्सोल्यूट यानी संपूर्ण माना। उसे चुनौती नहीं दी जा सकती है। इसके साथ ही अदालत ने धन शोधन निरोधक कानून यानी पीएमएलए में गिरफ्तार व्यक्ति की जमानत की सख्त शर्तों का भी समर्थन किया। ध्यान रहे यह ऐसा कानून है, जिसमें अपनी बेगुनाही का सबूत जुटाने का जिम्मा आरोपी का होता है। बाकी मामलों में पुलिस या प्रवर्तन एजेंसी आरोपी को दोषी साबित करने के सबूत जुटाती है लेकिन इसमें आरोपी को बेगुनाही का सबूत जुटाना होता है। ऐसा कोई सबूत सामने आने पर ही जमानत का प्रावधान है।

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की बेंच ने जमानत के इस प्रावधान को गलत माना था और इस पर सवाल उठाए थे। पांच साल पहले जस्टिस रोहिंटन नॉरीमन और जस्टिस संजय किशन कौल की बेंच ने पीएमएलए के मामले में जमानत के प्रावधान को मनमाना और असंवैधानिक करार दिया था। दोनों जजों ने कहा था कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि न्याय की बुनियादी धारणा किसी भी आरोपी को तब तक बेगुनाह मानने की है, जब तक कि उसका अपराध प्रमाणित नहीं होता है। यानी अपराधी साबित होने तक हर आरोपी बेगुनाह होता है। यह इकलौता मामला नहीं है, जिसमें सर्वोच्च अदालत ने ईडी से जुड़े कानूनों को लेकर इस तरह की टिप्पणी की हो। सितंबर 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय के प्रमुख को लेकर अहम फैसला सुनाया था। असल में प्रवर्तन निदेशक के एक साल के सेवा विस्तार को अदालत में चुनौती दी गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एल नागेश्वर राव की बेंच ने कहा था कि सेवा विस्तार की अवधि खत्म होने में दो महीने बचे हैं इसलिए उनको पद पर रहने दिया जाए लेकिन सरकार आगे उनको सेवा विस्तार न दे। उन्होंने यह भी कहा था कि सेवा विस्तार देना सरकार का अधिकार है लेकिन ऐसा बहुत विशेष परिस्थितियों में ही किया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद भी केंद्र सरकार ने प्रवर्तन निदेशक को सेवा विस्तार ही नहीं दिया, बल्कि सेवा विस्तार का नया कानून बना दिया, जिसके तहत किसी भी एजेंसी के अधिकारी को उसकी नौकरी समाप्त होने के बाद पांच साल तक एक-एक साल का सेवा विस्तार दिया जा सकता है। तभी उम्मीद थी कि जस्टिस नॉरीमन और जस्टिस नागेश्वर राव के दो अलग अलग फैसलों की रोशनी में जस्टिस एएम खानविलकर की बेंच ईडी के अधिकारों पर विचार करेगी और उसमें कुछ कटौती करेगी ताकि विपक्षी पार्टियों के खिलाफ उसे हथियार की तरह इस्तेमाल होने से रोका जा सके। लेकिन तीन जजों की बेंच ने ईडी के एब्सोल्यूट अधिकार को बरकरार रखा। एक तरफ ईडी के पास बिना कोई कागज दिखाए छापा मारने, गिरफ्तार करने, संपत्ति जब्त करने और आरोपी को लंबे समय तक हिरासत में रखने का अधिकार है तो दूसरी ओर सरकार के पास अधिकार है कि वह इस एजेंसी के प्रमुख पद पर एक-एक साल का सेवा विस्तार देकर किसी खास अधिकारी को बैठाए रखे। सोचें, इससे कितना कुछ बदल जाता है। सेवा विस्तार पर काम कर रहे अधिकारी की नौकरी तलवार की धार पर होती है। उसे किसी भी समय हटाया जा सकता है। रिटायर होने के साथ ही उसकी गारंटीशुदा सेवा समाप्त हो जाती है फिर वह सेवा विस्तार देने वाले राजनीतिक प्रमुख की कृपा से नौकरी कर रहा होता है। इसलिए उससे वस्तुनिष्ठ तरीके से कानून के पालन की उम्मीद कम हो जाती है। तभी यह अनायास नहीं है कि आज ईडी देश की सर्वाधिक चर्चित एजेंसी हो गई है। देश का शायद ही कोई विपक्षी दल होगा, जिसके नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई नहीं चल रही है। असल में सीबीआई या किसी दूसरी एजेंसी के मुकाबले ईडी का इस्तेमाल आसान और ज्यादा प्रभावी है। याद करें कैसे दो साल पहले 2020 में देश के करीब आठ राज्यों ने सीबीआई को दिया गया जनरल कन्सेंट वापस ले लिया था। इसका मतलब था कि सीबीआई अपने आप उन राज्यों में जाकर जांच नहीं कर सकती थी। सो, सीबीआई का इस्तेमाल मुश्किल हो गया था। दूसरी एजेंसी आयकर विभाग है, लेकिन उसका इस्तेमाल उतना प्रभावी नहीं है क्योंकि उसके पास सख्त कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। इन दोनों के मुकाबले ईडी का इस्तेमाल आसान भी है और बहुत प्रभावी भी है। केंद्र सरकार इसका प्रभावी इस्तेमाल कर भी रही है। तभी राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि ईडी ने पूरे देश में आतंक मचा रखा है। अब सवाल है कि ईडी नाम के हथियार का निर्माण किसने किया? किसने आर्थिक अपराध की जांच करने वाली एक एजेंसी को इतने अधिकार दिए? किसने आर्थिक अपराध के लिए इतनी सख्त सजा के प्रावधान किए? और सबसे बड़े सवाल है कि किसने एक केंद्रीय एजेंसी का हथियार के तौर पर इस्तेमाल शुरू किया? इन सभी सवालों का जवाब है- कांग्रेस। ईडी का गठन 2002 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के समय हुआ था। लेकिन इसे हथियार बनाने, बेलगाम करने और असीमित अधिकार देने का काम कांग्रेस ने किया।

याद करें कैसे 2009 से 2012 के बीच कांग्रेस ने झारखंड में मधु कोड़ा से लेकर आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी और तमिलनाडु में करुणानिधि परिवार से लेकर महाराष्ट्र में अपने ही नेताओं के खिलाफ इस एजेंसी का इस्तेमाल किया। कांग्रेस इस बात की शिकायत कर सकती है कि भाजपा की केंद्र सरकार ज्यादती कर रही है। लेकिन सवाल कम या ज्यादा का नहीं है। आर्थिक अपराध की जांच करने वाली एक एजेंसी को असीमित अधिकार देकर उसके इस्तेमाल की शुरूआत कांग्रेस ने की थी और भाजपा की सरकार उसी रास्ते पर चल रही है। कांग्रेस ने अपने दूसरे कार्यकाल में पी चिदंबरम के गृह मंत्री रहते एनआईए का गठन किया था और उसे भी इसी तरह के अधिकार दिए थे। आज एनआईए का भी हथियार की तरह इस्तेमाल हो रहा है। कांग्रेस ने संविधान से नागरिकों को मिले अधिकारों को दबाने वाले अधिकार देकर इन एजेंसियों को मजबूत किया था और उसी का खामियाजा आज पूरा विपक्ष उठा रहा है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कौसा परिसर के तंवर अपार्टमेंट की न्यू नशेमन कॉलोनी में हुआ दो युवकों में विवाद

दोनों युवकों ने लगाए एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कौसा परिसर स्थित तंवर नगर की न्यू नशेमन कॉलोनी में दो युवकों में विवाद का मामला प्रकाश में आया है इस विवादित मामले में फहद शब्बीर चौगले द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गत 28 जुलाई गुरुवार को मैं अपने बकरे छोड़ने भिवंडी जा रहा था तभी तस्लीम नोमानी और उनके पिता जोकि कांग्रेस पदाधिकारी गफूर नोमानी की भांजे लगते हैं यह लोग सोसाइटी में गाली गलौज कर रहे थे तभी मेरे मना करने पर इन दोनों ने मेरे साथ मारपीट की और मुझ पर चम्मच से हमला कर दिया और इस हमले में मेरे दोनों हाथों में मार लगी है उसने बताया कि 15 दिन पहले तस्लीम नोमानी द्वारा एक बच्चे को चैन से बांधकर पिटाई की गई कारण क्या था इस बात का मुझे पता नहीं है इन लोगों द्वारा मुझे कहा गया कि तेरे से जो बनता है वह कर ले हम लोगों की सरकार चलती है वहीं दूसरी ओर तस्लीम असलम नोमानी ने बताया मैं दुबई में इंजीनियर का जॉब करता हूं मुंब्रा शहर में नशा आम बात हो गई है और यह युवक मेरी बिल्डिंग के नीचे

तस्लीम असलम नोमानी

फहद शब्बीर चौगले

नशा करते हैं और हमारी बिल्डिंग के लोग कोई शिकायत करने के लिए इन नशाखोरी के खिलाफ आगे नहीं आ रहे हैं उन्होंने साफ तौर पर कहा कि बिल्डिंग के लोग बुजदिल हो गए हैं पिछले एक महीना पहले भी नशा कर रहे युवकों के साथ मेरा विवाद हुआ था उसकी शिकायत मैंने मुंब्रा पुलिस स्टेशन में की थी और मांग की थी कि नशाखोरी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें उन्होंने पूर्व नगरसेवक पर पूर्व सत्ताधारी पार्टी पर भी निशाना साधा कि आखिर मुंब्रा में बढ़ते नशे को क्यों नहीं रोका गया और आज दुर्दशा यह हो गई है की मुंब्रा में नशाखोरी दिन-ब-दिन बढ़ता चला जा रहा है आज दोपहर में मेरी पत्नी और बच्चों के साथ जा रहा था तो वह नशेड़ी ने मेरे साथ गाली गलौज की और शायद उसके हाथों में ब्लड भी था जो उसने पीछे छुपाया था मैं उस वक्त तो चला गया और जब शाम में असर के वक्त मैं घर से नीचे उतरा तभी वहां पर तमाम लड़के बैठे थे और मुझे देख कर गाली गलौज करने लगे फिर मेरी मारपीट उन लोगों से हुई है और जो युवक मुंब्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने आया था दरअसल वह एक नंबर का चरसी है उन लोगों ने मेरे पिताजी के साथ बदसलूकी की और उसी कारण मैंने इन युवकों के साथ मारपीट की दरअसल आपको बता दें जो विवाद इन दोनों युवकों द्वारा किया गया है यह सारी घटना वहां लगे सीसीटीवी फुटेज में कैद हो गई है दोनों युवकों द्वारा मुंब्रा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने पहुंच गए इस मामले में पहले मुंब्रा पुलिस स्टेशन द्वारा दोनों युवकों को एमएलसी कराने के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में भेज दिया रिपोर्ट आने के बाद पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाएगी गौरतलब बात यह है यहां पर इन दोनों युवक को में जो विवाद हुआ है उसका कारण नशा बताया जा रहा है नशे के कारण मुंब्रा शहर में चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही है मुंब्रा पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग आखिर नशे के मामले को कब गंभीरता से लेंगे और मुंब्रा शहर में कर रहे नशे के कारोबारियों सौदागर पर कब प्रतिबंध लगाकर नशे विक्रेता करने वालों को सलाखों के पीछे भेजेंगे जिससे मुंब्रा शहर में सुधार आ जाए और मुंब्रा शहर नशा मुक्त हो जाए।

नागपुर में 11 साल की मासूम के साथ कई दिनों तक होता रहा बलात्कार, 9 आरोपी हुए गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर शहर से 60 किलोमीटर दूर उमरेद नगर में एक 11 साल की लड़की से हुए सामूहिक बलात्कार के मामले में 9 लोगों को अरेस्ट किया गया है। नागपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा गैंग रेप के इस मामले की तहकीकात करते हुए नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर उन पर अलग-अलग कई धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। नाबालिग पीड़िता को 19 जून से 15 जुलाई के बीच इन दरिंदों ने कई बार अपनी हवस का शिकार बनाया। नागपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा दिल दहला देने वाली घटना की जानकारी दिए जाने के बाद आस-पास के इलाके में दहशत और गुस्से का माहौल है। नागपुर ग्रामीण पुलिस

द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक आरोपियों के नाम रोशन करगांवकर (29), गजानन मुसर्कर (40), राकेश महाकालकर (24), प्रेमदास गठीबंधे (38), गोविंदा नाटे (22), सौरभ उर्फ करण रिठे (22), नितेश फुकत (30), प्रद्युम्न करुतकर (22) और निखिल उर्फ पिंकू नरूले (24) है। नाबालिग पीड़िता के माता-पिता मजदूर हैं। आरोपी रोशन करगांवकर पीड़िता के घर के पास ही रहता है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक करगांवकर ने ही सबसे पहले पीड़िता को अपनी हवस का शिकार बनाया और बाकी दरिंदगों को भी इस काम के लिए उकसाया। इसके बाद पीड़िता के परिजनों ने पुलिस शिकायत दर्ज करवाई। एक महीने में कई बार गैंग रेप की इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एकदम से हरकत में आई। इसके बाद तलाशी और पूछताछ के बाद एक के बाद एक नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। नागपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है।

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास बनीं 48 हाई राइज इमारतें जल्द ढहाओः बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास की 48 इमारतों को ढहाने का आदेश दिया गया है। यह आदेश बॉम्बे हाईकोर्ट ने दिया है। मुंबई उच्च न्यायालय ने डीजीसीए के आदेश को तुरंत मानने को कहा है। हाईकोर्ट ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास मौजूद इन इमारतों के उन हिस्सों को ढहाने का आदेश दिया है, जिनकी ऊंचाई तय सीमा से ज्यादा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई उपनगर के कलेक्टर को यह आदेश देते हुए कहा है कि वे डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के आदेशों का पालन करवाएं और मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास मौजूद 48 ऊंची इमारतों के उन हिस्सों को तुरंत ढहाने की कार्रवाई करें, जिनकी ऊंचाई तय सीमा से ज्यादा है। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एमजी सेवलीकर की खंडपीठ यशवंत शेनॉय द्वारा दायर की गई जनहित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से अपील की थी कि इन इमारतों की ऊंचाई एयरपोर्ट से उड़ान भरने और यहां उतरने वाले विमानों के लिए हाई रिस्क पैदा करती हैं। इससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसलिए कोर्ट तुरंत इन इमारतों में तय सीमा से अधिक ऊंचाई वाले हिस्सों को ध्वस्त करने का आदेश दे। कोर्ट ने इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

मुंबईः घर के अंदर एक परिवार के चार शव मिलने से हड़कंप

घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई है। भीड़ को वहां से हटाने के लिए पुलिस बंदोबस्ती बढ़ाई गई है। चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए चेंबूर के शताब्दी अस्पताल में भेजा गया है। अब तक पुलिस ने मृतकों की पहचान जारी नहीं की है। पुलिस एक ही घर में, एक ही परिवार के चार सदस्यों की इस तरह हुई संदिग्ध मौत की वजह तलाश रही है। इस बीच शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन की पुलिस घटनास्थल से सबूतों के शिनाख्त और उनकी पहचान के काम में लगी हुई है। आस-पड़ोस के लोगों से संबंधित परिवार के बारे में पूछताछ का काम शुरू है। पुलिस घटनास्थल पर मौजदू संदिग्ध सामानों को अपने कब्जे में ले रही है।

दिल्ली में इंटरनेशनल ड्रग तस्करों का भंडाफोड़

इस मामले में पुलिस ने एक अफगान नागरिक सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। डीसीपी क्राइम ब्रांच केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि पुलिस की अभी तक सबसे बड़ी कामयाबी है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने अफगानिस्तान से संचालित एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। अभियान के दौरान, चार आरोपी व्यक्तियों परवेज आलम, शमी कुमार उर्फ शमी, रजत गुप्ता और एक अफगान नागरिक को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से 21.400 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन और 26.53 लाख रुपये जब्त किए गए। दिल्ली एनसीआर से नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के लिए, दिल्ली पुलिस की ओर से समय-समय पर नशीली दवाओं के तस्करों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान चलाए जाते हैं। इस अभियान के तहत इस बड़े रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है।

उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका

स्मिता उद्धव के बड़े भाई जयदेव की एक्स वाइफ हैं। हालांकि स्मिता ठाकरे ने एकनाथ शिंदे से मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया था। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के लिए एकनाथ शिंदे की बगावत से रोज नए संकट पैदा हो रहे हैं। पहले एकनाथ शिंदे ने 40 शिवसेना विधायकों को अपने पाले में किया और इसके बाद बीजेपी से हाथ मिलाकर सरकार बनाई। इसके बाद शिवसेना के 12 सांसदों ने भी एकनाथ शिंदे को समर्थन दे दिया। अब ठाकरे परिवार में ही दरार पैदा हो गई। उद्धव ठाकरे के भतीजे निहार ठाकरे ने एकनाथ शिंदे से शुक्रवार को मुलाकात की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिंदे ने निहार से मुलाकात के दौरान कहा कि उन्हें भी राजनीति में उतरना चाहिए। इस पर निहार ने एकनाथ शिंदे के ही नेतृत्व में राजनीति करने की बात कही।

अंधेरी में चित्रकूट स्टूडियो में लगी भीषण आग

स्टूडियो में प्लास्टिक और थर्माकोल से बना सेट था इसलिए आग बुझाने में दिक्कत आ रही थी। आग बुझाने के लिए दमकल की 12 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं। खबर के मुताबिक, हादसा तब हुआ जब सेट पर प्री-लाइटिंग हो रही थी। लव यहां अपनी फिल्म का एक गाना शूट करने की प्लानिंग कर रहे थे। हालांकि इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहीं हादसे के कारण का भी अभी पता नहीं चला है। फायर ब्रिगेड के अधिकारियों के मुताबिक यह लेवल 2 की फायर है। लव रंजन के जिस सेट पर आग लगी उसके बगल राजश्री प्रोडक्शन के भी दो सेट्स लगे थे। यहां सनी देओल के बेटे और एक्टर राजवीर देओल भी शूट कर रहे थे। आग इतनी भीषण थी कि उनके सेट पर तक पहुंच गई। हालांकि यहां भी किसी व्यक्ति को कोई चोट नहीं आई है और फिल्म की शूटिंग रोक कास्ट- क्रू को घर भेज दिया गया।

मामाअर्थ ने अपना एक्सक्लूसिव ब्रांड आउलेट मुंबई में लांच किया

मुंबई। हाउस ऑफ होनासा के तेजी से बढ़ते हुए एफएमसीजी ब्रांड,मामाअर्थ ने अपने एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट (ईबीओ) मुंबई के फीनिक्स मार्केट सिटी, कुर्ला और इनफिनिटी मॉल मॉलाड में खोले हैं। इस टॉक्सिन फ्री पर्सनल केयर ब्रांड के तहत बेबी केयर से लेकर ब्यूटी और पर्सनल केयर के उत्पादों की फुटकर (रिटेल) बिक्री की जाएगी। मामाअर्थने एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट का शुभारंभ वरुण अलघ-सीईओ, होनासा कंज्युमर प्राइवेट लिमिटेड और गजल अलघ-सीआईओ और सह-संस्थापक, मामाअर्थ, फीनिक्स मार्केट सिटी, कुर्ला में किया। ग्राहक केंद्रित ब्रांड होने के कारण, जो ग्राहकों की पसंद के साथ-साथ आगे बढ़ता है के मद्देनजर मामाअर्थ ने बेबीकेयर ब्रांड की टाक्सिक फ्री ब्रांड से शुरूआत की थी, लेकिन ग्राहकों की मांग के चलते इसने वयस्कों के लिए भी टाक्सिन फ्री पर्सनल केयर उत्पादों के क्षेत्र में भी अपने कदम फैला दिए। ग्राहकों पर बारीक नजर रखते हुए और उत्पादों की ऑफलाइन उपलब्धता की बढ़ती मांग के मद्देनजर इस ब्रांड ने ऑफलाइन तरीके से उत्पाद बेचने

का निर्णय लिया और उसके लिए एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स खोले हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ग्राहक हमें ऑफलाइन भी उसी तरह का प्रतिसाद देंगे जैसा कि उन्होंने डिजिटल रूप में दिया है। मामाअर्थ एक उद्देश्य से चलने वाला ब्रांड है जिसका इस बात में मजबूती से विश्वास है कि अच्छाई भीतर की चीज होती है, इसी के मद्देनजर वह अच्छाई को अपने उत्पादों और कार्यों से आगे बढ़ाना चाहती है। मामाअर्थ का मानना है कि अच्छाई हमारे उन छोटे-छोटे चुनावों से शुरू होती है जिन्हें हम रोजाना करते हैं। ब्रांड का विचार इस मामले में शुरू से ही बहुत स्पष्ट रहा है कि वह हमेशा ही प्रकृति के श्रेष्ठ चीजों का इस्तेमाल करेगी और किसी तरह के टॉक्सिन या खतरनाक रसायनों का प्रयोग अपने उत्पादों में नहीं करेगी। ये सारे उत्पाद बिना जानवरों की हत्या किए, प्लॉस्टिक फ्री हैं और कंपनी ने पिछले साल ही पौधों को संवारने का संकल्प किया है। इस संकल्प के तहत ही ब्रांड को जो भी आर्डर उसके वेबसाइट पर मिलते हैं उस प्रत्येक आर्डर पर एक पौधा लगाया जाता है, कंपनी का इरादा साल 2025 तक 15 लाख से ज्यादा पौधे लगाने का है।

आउलेट की लांचिंग के अवसर पर बोलते हुए होनासा कंज्युमर प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ श्री वरूण अलघ ने कहा, होनासा कंज्यूमर का कारोबार, ब्रांड का निर्माण करना है और ब्रांड का निर्माण ग्राहकों के दिमाग में होता है। ग्राहकों के साथ संवाद करने के जो माध्यम हैं वह बदलते और विकसित होते रहेंगे। चूंकि हम एक डिजिटल कंपनी भी हैं लिहाजा, डिजिटल प्लेटफार्म और तकनीकि हमारे साथ अच्छे से जुड़े हुए हैं। लेकिन हमारा मुख्य उद्देश्य ग्राहकों से जुड़े रहना है, और हमारी प्राथमिकता है कि ग्राहकों की यात्रा में साथ-साथ चलें। अगर ग्राहक आपसे ऑफलाइन खरीदी करना चाहते हैं तो आपको वहां उपस्थित रहना होगा। इसी जरूरत को समझते हुए हमने ऑफलाइन जाने का निश्चय किया। यह जानते हुए कि एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स ब्रांड को मजबूती और विस्तार देने के लिए जरूरी हैं मामाअर्थ ने अपने एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स शुरू किए हैं। ईबीओ के माध्यम से ग्राहक ब्रांड को लेकर आकर्षित करते हैं और उन्हें ब्रांड का एक नया अनुभव मिलता है। ब्रांड ने अपना पहला स्टोर राजधानी शहर में खोला था, फिर दो ईबीओ मुंबई में खोले हैं। ये स्टोर अभी मुंबई की दो महत्वपूर्ण जगहों- इनफिनिटी मॉल मालॉड और फीनिक्स मार्केट सिटी कुर्ला में खोले गए हैं। 380 वर्ग फीट और 197 फीट की एरिया वाले इन स्टोरों में 140 से ज्यादा मामाअर्थ के एस्केप्यू मिलेंगे जिनमें स्किनकेयर, हेयरकेयर, पर्सनल केयर और नए रेंज के कलर केयर शामिल हैं। एक्सक्लूसिव ब्रांड

हम सब वेदोक्त होकर जीवन को हरियाली से समृद्ध करें : प्रवीण आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान जानकी वाटिका कक्षा के तत्वावधान में 'हरियालो सावन आयो रे' तीज पर्व हर्षोल्लास से सन्त निवास नेहरू नगर में संपन्न हुआ। तीजोत्सव का शुभारंभ श्रीमती रीतू सिंघल एवं सुमन बंसल ने वैदिक प्रार्थना,गणेश वंदना एवं सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु, करते हैं हम शुरू आज का काम प्रभु भजन गाकर किया। वरिष्ठ योग शिक्षिका वीना वोहरा ने कहा कि तीज जब आती है तो चारों ओर हरियाली,उल्लास, उत्साह का वातावरण बन जाता है। उन्होंने कहा कि सावन की हरियाली प्रतिपल यदि हम चाहते हैं तो श्रुति का संदेश सुनो। पढ़ो पढ़ाओ,सुनो सुनाओ, ईश्वरीय वाणी वेद को घर घर

पहुंचाओ। योगी प्रवीण आर्य ने कहा कि स्वयं प्रकृति भी इन दिनों हमें त्याममयी हो संगच्छध्वं की शिक्षा दे रही है। ईश्वर,जीव और प्रकृति तीनों को सम्यक जानकर ही ज्ञानमय व्यवहार हो तो जीवन हरियाली से भर सकता है हर सुख का आधार ज्ञान ही है जो ईश्वर ने हमें वेद वाणी के रूप में दिया है हम सभी वेदोक्त होकर जीवन को हरियाली से समृद्ध करें। विदुषी श्रीमती सुमन बंसल ने तीज के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि वे मिलने मिलाने का त्यौहार है। योगी राम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि प्रफुल्लित और झूलते झूले, प्राकृतिक सौंदर्य, एक नया जोश जीने के लिए पैदा करते हैं।गायिका मीनाक्षी अग्रवाल, विभा भारद्वाज, अनुराधा अरोड़ा आदि ने तीज पर्व के गीत सुनाकर आनंदित कर दिया। सावन के गीतों पर महिलाओं के द्वारा सामूहिक नृत्य की प्रस्तुतियां एवं गेम आकर्षण का केन्द्र रहे। जहां मैं जाती हूं, वहीं चले आते हो गीत के नृत्य में सरदार जी का रोल संयोजिका वीना वोहरा और महिला रोल मीनाक्षी ने किया। जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से नेतराम, आर. के. अरोड़ा, दर्शना मेहता, अनुराधा भटनागर, बिमला सिंह, वीना गुप्ता, जॉली शर्मा, उमा शर्मा एवं सविता आदि मौजूद रहे। शांतिपाठ और जलपान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

बराना में अध्यापक शर्मा की सेवा निवृत्ति तथा अन्य का विदाई समारोह संपन्न

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले की आसींद तहसील के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बराना में अध्यापक ओमप्रकाश शर्मा, की सेवा निवृत्ति तथा कुसुमलता, गिरार्ज मीना तथा विकास कुमार की विदाई समारोह स्थानीय विधायक श्रीमान जब्बर सिंह सांखला के मुख्य आतिथ्य तथा स्थानीय सरपंच सुखदेव भील, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि भोपाल रेबारी के विशिष्ट आतिथ्य तथा अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लोकेश शर्मा के अति विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया, ओमप्रकाश शर्मा 30 वर्षों की राजकीय सेवा से 31.07.2022 को सेवा निवृत्ति होने जा रहे हैं, विधायक ने विद्यालय की अधुरी चार दिवारी के लिए मनरेगा से करवाने के लिए स्थानीय सरपंच से निवेदन किया साथ ही मरम्मत कार्य व नये कमरों के लिए डीएमएफटी फण्ड से निर्माण करवाने का आश्वासन दिया, कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय पीईईओ प्रधानाचार्य सायर लाखीवाल ने की कार्यक्रम में बराना निवासी स्थानीय स्टाफ, पीईईओ बराना के समस्त कर्मचारी तथा लक्ष्मण नाथ योगी पूर्व वरिष्ठ अध्यापक बराना उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पीईईओ बराना, राप्रावि दूदीया के प्रधानाध्यापक महेश चन्द्र व्यास ने किया। उक्त जानकारी माधिया प्रभारी राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

महामंडलेश्वर स्वामी1008 विनयस्वरूपानन्द सरस्वती का अवतरण दिवस मनाया गया

श्री रामानुश्रम बिठूर कानपुर में श्रावणी अमावस्या और आश्रम के संस्थापक परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर १००८ स्वामी विनय स्वारूपानंद सरस्वती का अवतरण दिवस हर्षोल्लास के साथ विशिष्ट संत जनो के उपस्थिति में मनाया गया। उक्त पावन बेला पर पनकी धाम के महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णदास, दण्डी आश्रम के प्रभारी स्वामी उदितानंद ब्रम्हचारी, सिद्धधाम के अरूणपुरी चैतन्य महाराज, अखण्ड शिव धाम की साध्वी सतरूपा, हरिहर धाम के महंत स्वामी साध्वी आनंदभारती, आदि कानपुर के विभिन्न आश्रम के गणमान्य संत उपस्थिति रहकर स्वामी जी को अवतरण दिवस की हार्दिक शुभकामना दी। महाप्रसाद विशाल भंडारे के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर कॉलेज समस्तीपुर के जूलॉजी विभाग में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया! जिसमें बाघों के संरक्षण को लेकर आज के दिन सेमिनार का आयोजन किया जाता हैं। इस के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को बाघों के देख देख और सुरक्षा बारे में जानकारी दी जाती है और उनके संरक्षण के लिए जागरूक किया जाता है। जो संगठन बाघों की रक्षा के लिए कार्य करते हैं, उनका प्रोत्साहन करने के साथ दान दिया जाता है। इस कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया! समस्तीपुर कॉलेज समस्तीपुर के प्राचार्य डॉ सत्यन कुमार ने बताया कि बाघों के संरक्षण को लेकर आज के दिन सेमिनार का आयोजन होता है। 29 जुलाई को हर साल विश्व के कई देशों में अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाया जाता है अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस बाघों के संरक्षण और उनकी विलुप्त होती प्रजातियों को बचाने के उद्देश्य से मनाते हैं। इस मौके पर लोगों को बाघ के प्रजातियों के खत्म होते अस्तित्व के प्रति जागरूक करते हैं। दरअसल, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड की रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 150 सालों में बाघों की संख्या में लगभग 95 फीसदी तक गिरावट दर्ज की गई है। बाघ दिवस मनाने का फैसला करते हुए देशों ने बाघों की संख्या को दोगुना करने का लक्ष्य रखा था। कई देश इस लक्ष्य को पूरा करने के दिशा में प्रयास कर रहे हैं। हालांकि भारत ने साल 2018 में ही बाघों की प्रजातियों को दोगुना करने के अपने लक्ष्य को हासिल कर लिया है। साल 2018 में भारत में बाघों की संख्या 2900 से ज्यादा थी। आइए जानते हैं अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस मनाने की शुरूआत कब हुई, बाघ दिवस का इतिहास क्या है और इस साल की बाघ दिवस की थीम क्या है। बाघ दिवस को मनाने की शुरूआत साल 2010 से हुई थी। रूस के पीटर्सबर्ग में एक इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें 29 जुलाई को विश्व बाघ दिवस मनाने का फैसला लिया गया था। इस अंतरराष्ट्रीय समिट में 13 देशों ने हिस्सा लिया था। बाघों की विलुप्त होती प्रजातियों पर चिंता जताते हुए बाघों की संख्या 2022 तक दोगुनी करने का लक्ष्य बना लिया।

पॉक्सो मामले में आरोपी वकील को सजा

- आठ साल बाद मिला पीड़िता को न्याय
- मुंबई सेसन कोर्ट से मिली 3 साल की कैद

मुंबई। अतिरिक्त सेशन कोर्ट नं. 34 के जस्टिस ने आठ साल पुराने मामले में नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ के पॉक्सो कानून के आरोपी वकील को तीन साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर पांच हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष की सरकारी वकील संजना शर्मा ने पीड़िता के पक्ष में मजबूत पैरवी की। पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट के अनुसार मई 2014 में पीड़िता की मां अंधेरी कोर्ट में अपने खोए मतदाता पहचान पत्र की एफेडेविट बनवाने गई थी। जहां एफेडेविट बनाने के दौरान वकील भरत कुमार दयाशंकर पांडेय ने उसके घर का पता ले लिया था। उसे सस्ते में घर दिलाने के लिए उसके घर म्हाडा बिल्डिंग, अंटाप हिल पहुंच गए और उसकी नाबालिग बेटी के साथ अश्लील हरकत की। बेटी ने सारी बात मां को बताई तो उसने अंटाप हिल पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करा दी थी। महिला पुलिस निरीक्षक नयना पाटिल ने जांच के बाद अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। जिस पर अदालत ने सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी पाते हुए सजा सुनाई।

चंबल आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप की तैयारी शुरू, 6 अगस्त को दिखेगा पंजे का कमाल

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़ / मुकेश शर्मा

राजस्थान। मद्रास क्रांति के महानायक प्रसिद्ध क्रांतिकारी शंभुनाथ आजाद की याद में चंबल पंजा कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। चंबल परिवार द्वारा आजादी के हीरक वर्ष में यह प्रतियोगिता आगामी 6 अगस्त को प्रातः 9 बजे से भदावर पीजी कालेज में शुरू होगी। इस ओपन प्रतियोगिता में इटावा के खिलाड़ी भी हिस्सा ले सकेंगे।

क्रांतिकारी लेखक और चंबल परिवार प्रमुख डॉ. शाह आलम राना ने कहा कि आजादी आंदोलन में चंबल घाटी के रणबाकुरों के अनगिनत रोमांचकारी किस्से दफ्न हैं जिसे आजादी के इतने साल बाद भी इतिहास का उत्खनन कर नई पीढ़ी को नहीं बताया गया। आजादी के अमृत वर्ष में मद्रास क्रांति के महानायक दादा शंभुनाथ आजाद को बिसरा दिया गया। डॉ. राना ने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम में 1930-31 का दौर था। मद्रास के गवर्नर ने शेखी मारी कि हमारे यहां कोई क्रांतिकारी गतिविधियां हो ही नहीं सकतीं। यह ने चंबल के लाल शंभुनाथ आजाद के जेहन में चुभ गईं। इसी दौरान दादा शंभुनाथ आजाद की अगुवाई में 'बूचड़खाना' नाम से कुख्यात कोतवाली पर बम फेंका गया। रोशनलाल और उमाशंकर के इस एक्शन से सरकार कांप उठी थी। 1932 में जब शंभूनाथ जेल से छूटकर आये तो उन्होंने दक्षिण भारत को केन्द्र बना कर क्रांतिकारी एक्शन करने का निश्चय किया। तत्कालिक खर्च के लिए उन्होंने अपने घर से पांच हजार रुपये लिये। शंभूनाथ आजाद मद्रास में रोशनलाल, सरदार बंता सिंह, इंद्र सिंह, खुशीराम मेहता, गोविंदराम वर्मा, बच्चू लाल आदि क्रांतिधर्मी मजदूरों की एक बस्ती में किराये का मकान लेकर रहने लगे। यहां इन्होंने मद्रास और बंगाल के दोनों गवर्नर पर एक साथ बम फेंकने का खाका बना डाला। लिहाजा पैसे न होने पर क्रांतिकारियों ने सफलता पूर्वक ऊटी बैंक पर एक्शन किया।

मद्रास क्रांति के महानायक की याद में होगा कुश्ती का आयोजन

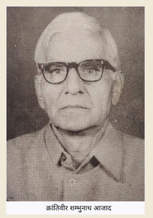

क्रांतिवीर शम्भुनाथ आजाद

दादा शंभूनाथ आजाद और भी क्रांतिकारी गतिविधियां चला रहे थे। कई साथियों की गिरफ्तारी हुई, उन्हीं साथियों को छुड़ाने के लिए बम बनाने का फैसला हुआ। दरअसल, बम बनाने के लिए विदेशी खोल नहीं मिल रही थी। तब वहां मौजूद चूड़ीदार लोटे को ही बम के खोल के तौर पर इस्तेमाल करने फैसला हुआ। एक्शन के दौरान कहीं चूक न हो जाय लिहाजा क्रांतिकारी घटना से पहले बम का परिक्षण का निश्चय किया गया। मद्रास बंदरगाह के सेवापुरम क्षेत्र में 30 अप्रैल 1933 को रात आठ बजे बम परिक्षण के लिए पहुंचे, परीक्षण के दौरान वक्त बम फट गया। बम के टुकड़े रोशन लाल मेहरा के जिस्म में अंदर तक घुस गए। जिससे रोशन लाल मेहरा की शहादत हो गयी। बम विस्फोट के बाद पुलिस अधीक्षक को समझने में देर न लगी कि मद्रास के बाहर के भी क्रांतिकारी यहां सक्रिय हैं। दादा शम्भुनाथ आजाद बम बनाने में इतना माहिर थे कि ताले में बम फिट कर देते थे। दादा शंभुनाथ आजाद लंबे समय तक कालापानी जेल में रहे ही और आजाद भारत में कई बार बुनियादी सवालों पर आंदोलन कर जेल में बने रहे। दादा शंभुनाथ आजाद ने कचौरा स्थित घर को अपने क्रांतिधर्मी साथियों की याद में स्मारक बनाया था। कार्यक्रम संयोजक शंकर देव तिवारी ने कहा कि चंबल-यमुना के इस दोआब में बागियों-दस्युओं की शरणस्थली खिलाड़ियों की भी जननी रही है। जिन्होंने राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने जुनून, त्याग और परिश्रम से अपना परचम लहराया है। चंबल पंजा कुश्ती चैंपियनशिप में खिलाड़ी आनलाइन रजिस्ट्रेशन कर रहे हैं। बाह, इटावा, जालौन, औरैया, भिण्ड, मुरैना, धौलपुर के जूनियर, सीनियर, मास्टर और विकलांग महिला-पुरूष खिलाड़ी इसमें प्रतिभाग कर सकेंगे। आयु और वजन के हिसाब से मुकाबलें होंगे।

13 अलग-अलग कैटेगरी के मुकाबले होंगे। लगातार दो बार हार जाने वाला खिलाड़ी अपने आप बाहर हो जाएगा। उन्होंने बताया कि जूनियर महिला-पुरूष 18 वर्ष तक, सीनियर महिला -पुरूष 40 वर्ष तक, मास्टर महिला-पुरूष 60 वर्ष तक, विकलांग महिला-पुरूष 40 वर्ष तक के अलग-अलग कटेगरी में मेडल दिये जाएंगे। सभी खिलाडियों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा' उ.प्र. पंजा कुश्ती एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी डॉ. वीपी सिंह को चीफ रेफरी, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी किशन और सकेत को रेफरी बनाया गया है। उक्त जानकारी वरिष्ठ पत्रकार मुकेश शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

शांतिपूर्ण मोहर्रम के लिए कानपुर में लगातार जारी काकादेव पुलिस का प्रयास

- बैठकों के साथ गश्त के दौरान में भी इंस्पेक्टर मनोज वर्मा लगातार कर रहे मोहर्रम शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील

- हाल में ही साम्प्रदायिक हिंसा के शिकार संवेदनशील कानपुर में सरल नहीं है ईद बकरीद और मोहर्रम जैसे त्योहारों को शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराना

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां चुनौती पूर्ण बकरीद के त्यौहार को सकुशल संपन्न कराने में मिली सफलता के बाद शुरू हो रहे सावन माह को भी सकुशल संपन्न करने के लिए अपराधी अराजक तत्वों के खिलाफ काकदेव थाना क्षेत्र में बैठकों और गश्त का दौर भी लगातार जारी है, क्योंकि प्रदेश के इस अति संवेदनशील महानगर में ईद बकरीद जैसे त्योहारों को शांति पूर्ण और सकुशल सम्पन्न कराना बहुत सरल नहीं माना जाता। खासकर तब जब बीती 3 जून को कानपुर जैसा संवेदनशील जनपद सांप्रदायिक हिंसा का शिकार हो चुका हो। यही वजह है कि काकादेव पुलिस भी बकरीद की तरह चिनौती पूर्ण मोहर्रम के त्योहार को भी सकुशल और शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के लिए हर सम्भव प्रयास में लगातार जुटी हुई है। याद रहे कि बकरीद और चल रहे सावन माह की तरह मोहर्रम के चिनौतीपूर्ण त्योहार को भी सकुशल शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने में जुटी और हर तरह के अपराधियों के खिलाफ लगातार सफल मोर्चा खोले काकादेव पुलिस की कमान आजकल निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा वाले तथा साधारण सूचनाओं पर भी खुद मौके पर पहुंचकर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश निर्देश का अक्षरशः अनुपालन के लिए भी चर्चित लोकहित में अपनी धुन के पक्के निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले उन तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और कठोर परिश्रमी जुझारू इंस्पेक्टर मनोज कुमार वर्मा के हाथ में है, जिनका पुलिस विभाग में अबतक का इतिहास यह साबित करता है कि उनकी कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा केवल हत्या जैसी संगीन वारदातों को ही नहीं बल्कि हर छोटी से छोटी घटना को भी बहुत गम्भीरता से लेकर पूरी निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाही और पीड़ितों की सहायता में भी अग्रणी चल रही है।

दीनदयाल नगर अस्पताल में व्यवस्थाओं के सुधार के लिए सीएमएचओ से मिले भाजपा नेता

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भारतीय जनता पार्टी के नेता दिनेश शर्मा के नेतृत्व में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा से मुलाकात की और दीनदयाल नगर स्वास्थ केंद्र पर व्यवस्थाओं में सुधार के लिए मांग पत्र सौंपा। भाजपा नेताओं ने जिला चिकत्सा अधिकारी से कहा कि दीनदयाल नगर अस्पताल भाजपा सरकार की जनता को एक बड़ी सौगात है लेकिन जिला चिकत्सा एवं स्वास्थ विभाग के कार्यालय की लापरवाही से अस्पताल का लाभ जनता को उतना नही मिल पा रहा है जितना मिलना चाहिए।

नेताओं ने कहा कि अस्पताल में आउटसोर्स से पदस्थ सफाई कर्मी, हेल्पर व सुरक्षा गार्डों की तनखा सन साइन कंपनी द्वारा समय पर नहीं दी जाती है ढाई महीने काम करने के बाद कंपनी इन छोटे व गरीब कर्मचारियों के मात्र एक महीने का वेतन ही दे रही है, इससे कर्मचारियों को परेशानियों का सामना करना पढ़ रहा है। भाजपा नेताओं ने मांग की कि स्वास्थ केंद्र पर टीकाकरण के लिए पदस्थ एक मात्र एएनएम को वहां हटा दिया गया है जिससे टीका करण की रफ्तार पर असर पड़ा है। नेताओं ने सीएमएचओ से कहा कि दीनदयाल नगर अस्पताल में इन व्यवस्थाओं में सुधार किया जाए, इसके साथ ही दो सफाई कर्मी और दो वार्ड बाय अस्पताल को उपलब्ध करवाए जाएं। सीएमएचओ डॉ मनीष शर्मा ने भाजपा नेताओं की सभी मांगों पर सहमति जताते हुए शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस मौके भाजपा नेता श्री शर्मा के साथ सूरज करैया, अखिल शर्मा, अनिल बोहरे, रामौतार सिंह गुर्जर, दाताराम जाटव, प्रवलकांत सिंह चौहान, संदीप पुरोहित आदि मौजूद थे। उक्त जानकारी वरिष्ठ नेता मुकेश शर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

मानव सेवा समिति ने जरूरतमंद परिवार की कन्या की शादी में किया सहयोग

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। वैसे तो सभी दान बहुत उत्तम माने जाते हैं लेकिन इनमें से कन्यादान करना महादान माना गया है और अगर सुभाष मानव की माने तो कन्यादान में सहयोग करने वाले दानी सज्जन भी महादान के भागीदार होते हैं। इन बातों का प्रगटावा मानव सेवा समिति के सेवादार सुभाष मानव द्वारा उस समय किया गया जब मानव सेवा समिति द्वारा दानी सज्जनों के सहयोग से आज एक जरुरतमंद परिवार की कन्या की शादी में सहयोग किया जा रहा था। जानकारी देते हुए संस्था के प्रमुख सेवादार सुभाष मानव ने बताया कि कुछ दिन पहले अबोहर के नजदीकी गांव चक काला टिब्बा के एक जरूरतमंद परिवार (दादी) द्वारा अपनी पोती की शादी में सहयोग करने के लिए संस्था में निवेदन पत्र दिया गया था। संस्था की सर्वे टीम द्वारा सर्वे करने पर पाया गया कि लड़की की माता की मौत हो चुकी है और एक छोटा भाई है तथा पिता शराब पीने का आदी है और घर में कुछ भी कमा कर नहीं देता, दादी ने बताया के उसकी पोती की शादी उसकी बुआ के घर में रहकर की जाएगी और कन्यादान भी बूआ के घर से ही किया जाएगा। सर्वे करने पर यह परिवार जरूरतमंद पाया गया, जिस पर संस्था के दानी सज्जनों चिमन लाल, दुलीचंद सियाग, चंदन जुनेजा सिटी वॉक, सुरेंद्र मोहन आहूजा, धर्मवीर, रिंकू मक्कड़ बाला जी इंपोरियम, ललित कश्यप, दीपक मित्तल, अरुण खूंगर, राहुल, मोहित वधवा, भीम ज्वेलर्स, खुमारी चाय पत्ती, गुरसेवक सिंह, सोनू चावला, मदन लाल शर्मा, ओम प्रकाश, निधि मक्कड़, स्वीटी लूथरा, गीता गांधी, वीरपाल वर्मा, गीता रानी, सुमन रानी, अजय कुमार और निखिल भठेजा के सहयोग से इस कन्या की शादी में दिए जाने वाला समान संस्था के दफ्तर में इकट्ठा किया गया जो आज यह सारा समान संस्था के सेवादारों संजय मानव, मनीष मेहंदीरत्ता, अमित कम्बोज, राम कुमार, बलविंदर, अंकिता और सुभाष मानव की मौजूदगी में कन्या की दादी और बूआ के सुपुर्द किया गया और कन्या के मंगलमय जीवन के लिए परमात्मा के चरणों में अरदास की गई।

विप्र सेना बीकानेर शहर युवा प्रकोष्ठ कार्यकारणी का विस्तार आसोपा आईटी सेल प्रभारी, अशोक उपाध्याय उपाध्यक्ष नियुक्त

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। विप्र सेना बीकानेर शहर जिला कार्यकारणी का विस्तार करते हुए बीकानेर जिला प्रभारी पवन कुमार सारस्वतकी अनुसंशा पर युवा प्रकोष्ठ शहर जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सारस्वत ने सुनील आसोपा को यूवा प्रकोष्ठ बीकानेर शहर आई टी सेल प्रभारी, व अशोक उपाध्याय को उपाध्यक्ष नियुक्त किए गया उक्त नियुक्ति पर बीकानेर संभाग अध्यक्ष हरि गोपाल शर्मा, प्रदेश कार्यकारणी सदस्य रजनीकांत सारस्वत, प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ रविन्द्र जाजड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष महादेव उपाध्याय, जैना महाराज उपाध्याय, प्रदेश सदस्य विमला ओम उपाध्याय, बीकानेर महिला प्रकोष्ठ शहर जिला अध्यक्ष किरण शर्मा, महामंत्री युवा प्रकोष्ठ नरेश सारस्वत आजाद, नरेश शाकद्वीपीय, जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष वीना पारीक, राहुल शर्मा पूर्व यूवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष,आदि ने बधाई व शूभकामनाये दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन आयुर्वेदिक औषधियों का इस्तेमाल दूर करेगा कई बीमारियां

बदलते मौसम और लाइफस्टाइल के कारण लोगों में बीमारियां भी बढ़ती जा रहें है। एक शोध के अनुसार आज के समय में हर 10 में 8वां व्यक्ति डायबिटीज, कैंसर, अस्थमा और गठिया जैसी खतरनाक बीमारियों से पीड़ित है। कुछ लोग तो इन बीमारियों को दूर करने के लिए कई तरह की दवाइयों का सेवन करते है लेकिन ज्यादा दवाइयों का सेवन लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। दवाइयों की बजाए आप ऐसी बीमारियों को कुछ घरेलू नुस्खों से दूर करते है। आपके रसोईघर में आसानी से मिलने वाली ये आयुर्वेदिक औषधियां इन बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर तो करती है, साथ ही यह आपको कई बीमारियों से बचाती भी हैं। तो चलिए जानते है ऐसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां, जो बिना किसी साइड इफेक्ट के आपको स्वस्थ रखेंगी और सेहत की समस्याओं को दूर भी करेगी। एसिडिटी से परेशान है तो अपनाएं ये आयुर्वेदिक उपचार

1. लेमन ग्रास

इसे चाय में डालकर पीने से शरीर, जोड़ों, सिर और मांसपेशियों के दर्द से निजात मिलती है। इसके अलावा इसकी 1 कप चाय थकावट और स्ट्रेस को भी दूर कर देती है।

2. हल्दी

एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर हल्दी जोड़ों के दर्द, आर्थराइटिस, पाचन विकार, दिल और लिवर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाती है। इसके अलावा इसका सेवन शरीर में कैंसर सेल्स को मारने में मददगार होता है।

3. सफेद कमल

हैजा, पेट की बीमारियों, कब्ज और आंखों के इंफेक्शन का इलाज करने के लिए सफेद कमल सबसे अच्छा है। इसके फूल, बीज और जड़ो को पीसकर खाने से यह सभी प्रॉब्लम दूर हो जाती है। आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर है धतूरे का पौधा, कई बीमारियां होंगी दूर

4. पुदीना

पुदीने की पत्तियों को कच्चा खाने से खून साफ होता है। एंटी-बैक्टीरियल गुणों के कारण इससे गले की इंफेक्शन, उल्लटियां, सिरदर्द और कैविटी प्रॉब्लम से छुटकारा मिलता है।

5. मेहंदी की पत्तियां

मेहंदी की पत्तियां शरीर को डीटॉक्स करके कब्ज और यूरिन प्रॉब्लम को दूर करती है। इसके अलावा इसका सेवन छाले, अल्सर, चोट, बुखार, हैमरेज और मासिक दर्द से छुटकारा दिलाता है।

6. गुलाब

रोजाना गुलाब की पत्तियों का सेवन करने से दिल स्वस्थ रहता है। यह शरीर में ब्लड सकुर्लेशन को बढ़ाकर ब्लड प्रेशर को कम करता है। जिससे स्ट्रेस, मासिक पीड़ा, अपच और अनिद्रा की समस्याएं नहीं होती।

7. सब्जा बीज

इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होने के कारण यह इम्यून सिस्टम को बढ़ाता है। फालूदा में कूलिंग एजेंट के तौर पर इस्तेमाल होने वाले सब्जा बीजों का सेवन शरीर में किसी भी तरह की सूजन को दूर करता है।

8. इसबगोल

कब्ज, जोड़ों और आंतों में दर्द होने पर इसबगोल का सेवन करें। इससे आपको इन समस्याओं से तुरंत आराम मिल जाएगा

डायबिटीज को जड़ से खत्म करने के लिए करें हरे प्याज का सेवन

बदलते लाइफस्टाइल के साथ आज हर 10 में से 8 व्यक्ति डायबिटीज का शिकार है। एक शोध के अनुसार आज के समय में 4 करोड़ से अधिक लोग इस समस्या से पीड़ित हैं। गलत खान-पान और खून में शुगर की मात्रा अधिक होने पर यह बीमारी हो जाती है। लोग इसे कंट्रोल में रखने के लिए अपनी खान-पान की आदतों में सुधार से लेकर कई दवाइयों का सेवन करते है लेकिन फिर भी यह जड़ से खत्म नहीं होती। आज हम आपको डायबिटीज की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए एक असरदार तरीका बताने जा रहें हैं। हरे प्याज की मदद से आप डायबिटीज के साथ कई बीमारियों से छुटकारा पा सकते है। इससे आपकी डायबिटीज की बीमारी 7 दिन में ही खत्म हो जाएगी।

डायबिटीज के कारण

अधिक जंक फूड का सेवन
मोटापा
तनाव या डिप्रेशन
धूम्रपान या तंबाकू का सेवन
अधिक चाय, कॉफी या कोल्ड ड्रिंक पीना
अधिक मात्रा में चीनी का सेवन
जेनेटिक प्रॉब्लम

डायबिटीज के लक्षण

बार-बार पेशाब का आना
आंखों की रोशनी कम होना
ज्यादा प्यास लगना
कमजोरी महसूस होना
चोट या जख्म का देरी से भरना
हाथों, पैरों और गुप्तांगों में खुजली
भूख ज्यादा लगना
अचानक वजन कम होना
चक्कर आना
हृदय गति अनियमित होना
किडनी खराब होना

शुगर का घरेलू उपचार

इसके लिए आपको कुछ हरे प्याज को धोकर पानी में भिगो दें। इसे साफ पानी में 24 घंटे तक भीगा रहने दें। इसके बाद इस पानी को छानकर पूरा दिन इसका सेवन करें। लगातार 7 दिनों तक इस पानी को पीने से आपकी डायबिटीज की समस्या जड़ से खत्म हो जाएगी। इसका सेवन करने से पहले एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर करवा लीजिए।

सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है पीपल, जानिए इसके चमत्कारी फायदे!

आजकल की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हर 10 में से 8 व्यक्ति किसी न किसी बीमारी के शिकार है। कुछ लोग तो छोटी-छोटी समस्याओं के दूर करने के लिए भी दवाइयों का सेवन ही करते है लेकिन ज्यादा दवाइयों का सेवन भी लीवर को नुकसान पहुंचा सकता है। इसकी बजाए आप छोटी से लेकर बड़ी समस्याओं को कुछ घरेलू तरीकों द्वारा दूर कर सकते है। आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर पीपल के पेड़ के पत्ते सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होते है। इसका सेवन गैस, कब्ज, पेट दर्द, सांस की तकलीफ और सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं को दूर किया जा सकता है। इसके अलावा भी इसके पत्तों या छाल से अस्थमा, दिल के रोग और डायबिटीज जैसे बड़ी-बड़ी बीमारियों को दूर किया जा सकता है। आइए जानते है सेहत की कई समस्याओं को दूर करने वाले पीपल के फायदे।

1. सांस संबंधी समस्याएं

इसकी छाल का अंदरूनी हिस्सा निकालकर सुखा लें। इसके बाद इसे पीस कर चूर्ण बनाने के बाद दूध में उबालकर पीएं। इसका सेवन सांस संबंधी समस्याएं और अस्थमा की समस्या को दूर करता है।

2. विष का प्रभाव

किसी भी जहरीले जीव-जन्तु के काटने पर पीपल के पत्तों का रस निकाल कर इस जगहें पर डालें। इसके अलावा उस व्यक्ति को थोड़ी-थोड़ी देर बार इसका रस पीलाएं। इससे विष का असर कम हो जाएगा।

3. पेट की प्रॉब्लम

पेट में गैस, एसिडिटी, कब्ज, पेट दर्द, अल्सर और इंफेक्शन की समस्या को दूर करने के लिए इसके ताजे पत्तों का रस रोजाना पीएं। सुबह-शाम इसका सेवन आपकी पेट की हर समस्या को दूर कर देगा।

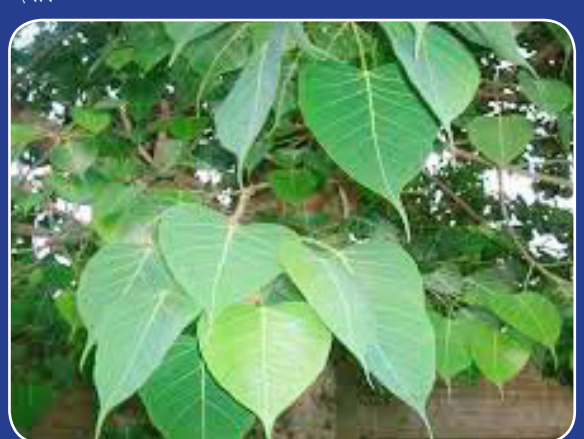

4. त्वचा रोग

त्वचा पर होने वाली समस्याएं जैसी दाद-खाज, खुजली, रैशेज और स्किन इंफेक्शन को दूर करने के लिए पीपल के पत्तों का काढ़ा बना कर पी लें। इसके अलावा फोड़े-फुंसी होने पर इसकी छाल को पीस कर घाव वाली जगहें पर लगाने से वो ठीक हो जाता है।

5. डायबिटीज

रोजाना पीपल की छाल का चूर्ण बनाकर दूध के साथ पीने से डायबिटीज का खतरा कम होता है। इसके अलावा इसके पत्तों के रस का रोजाना सेवन डायबिटीज को खत्म करता है।

6. दिल के रोग

पीपल के पत्तों सा इसकी छाल का चूर्ण बनाकर रोजाना खाने से यह शरीर को दिल के रोगों से भी दूर रखता है। इसके औषधिएं गुण दिल को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं।

7. सर्दी-जुकाम

एंटीऑक्सीडेंट के गुणों से भरपूर पीपल के पत्तों का काढ़ा बनाकर उसमें मिश्री मिला लें। इसका सेवन करने से सर्दी, जुकाम, खांसी और कफ की समस्या दूर हो जाएगी। इसके अलावा इसका सेवन वायरल इंफेक्शन को भी खत्म करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर बनने वाले है पेरेंट्स?

बॉलीवुड इंडस्ट्री से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स की माने तो जल्द ही बॉलीवुड गलियारों से खुशखबरी आ सकती है। रिपोर्ट्स का दावा है कि बॉलीवुड के पॉपुलर कपल करण सिंह ग्रोवर और बिपाशा बसु जल्द ही अपने होने वाले बच्चे का ऐलान कर सकते है। जी हां, खबर है कि बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर पेरेंट्स बनने वाले हैं। अप्रैल 2016 में बिपाशा और करण शादी के बंधन में बंधे थे। शादी के बाद से बिपाशा की प्रेग्नेंसी की कई बार अफवाहें उड़ीं, जिससे कपल ने हमेशा इनकार किया। अब बताया जा रहा है कि बिपाशा और करण के घर उनका पहला बच्चा आने वाला है। हालांकि अभी तक दोनों में से किसी ने ऑफिशली इस खबर का ऐलान नहीं किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शादी के छह साल बाद वो माता-पिता बनने वाले हैं। जल्द ही कपल इस बारे में अनाउंसमेंट भी करेगा। करीबी सूत्र के मुताबिक, बिपाशा और करण अपने होने वाले बच्चे को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। बिपाशा शादी के 6 साल बाद बनने जा रही हैं। ये खबर सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। फैंस अब बेसब्री से बिपाशा और करण के मुंह से ये खुशखबरी सुनने का इंतजार कर रहे हैं।

'मैं प्रतिस्पर्धी अभिनेता नहीं हूं'

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह का कहना है कि वह स्वभाव से प्रतिस्पर्धी नहीं हैं और दूसरों पर हावी होने में भी विश्वास नहीं रखते। सिंह के एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका के लिए नग्न तस्वीरें खिंचवाने को लेकर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी दर्ज होने के दो दिन बाद वह पहली बार सार्वजनिक तौर पर बृहस्पतिवार को 'फिल्मफेयर' के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में नजर आए। हालांकि, इस पूरे विवाद को लेकर उन्होंने बृहस्पतिवार को कोई बयान नहीं दिया। अपनी पत्नी एवं अदाकारा दीपिका पादुकोण के साथ प्रतिस्पर्धा को लेकर किए गए सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि वह बिल्कुल भी प्रतिस्पर्धी नहीं हैं। सिंह (37) ने कहा, सिनेमा में बिल्कुल नहीं। मैं बिल्कुल भी प्रतिस्पर्धी अभिनेता नहीं हूं। मेरा रंगमंच (थिएटर) से नाता रहा है और वे आपको आपके प्रशिक्षण के बेहद प्रारंभिक चरण में ही यह सिखा देते हैं...। उन्होंने कहा, जो मैंने सीखा है और केवल प्रशिक्षण के दौरान नहीं बल्कि मेरे 12 वर्ष के अभिनय के करियर में भी कि आप उतने ही बेहतरीन हैं जितने आपके सह-कलाकार...। रणवीर सिंह का कहना है कि वह दूसरों पर हावी होने और लोगों का ध्यान दूसरों से हटाकर खुद की ओर खिंचने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मौके आए जब उनके सह-कलाकार को ज्यादा तवज्जो मिली।

सामंथा रूत प्रभु ने महंगे दाम में खरीदा अपना नया घर

साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु कुछ वक़्त से अपनी एक्टिंग और अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से खूब मीडिया की अटेंशन मे बनी हुई है। एक तरफ जहां सामंथा अपने करियर के पीक पर है, वही उनके तलाक के बाद भी फैंस उन्हें और नागा को साथ देखना चाहते है। ऐसे मे कभी एक्ट्रेस को ट्रोल किया जाता है तो कभी उनसे लोग गुजारिश करते है। लेकिन इस बार फैंस सामंथा के एक कदम से काफी खुश नजर आ रहे है। दरअसल, एक्ट्रेस ने अपने लिए एक नया घर खरीदा है। आपको बता दे, उनका नाम उन चुनिंदा एक्ट्रेसेस में शुमार है, जिन्होंने अपने दम पर अपने लिए एक बड़ा मुकाम बनाया है। इस बीच सामंथा रुथ प्रभु अपने नए घर को लेकर चर्चा में हैं। ये घर सामंथा रुथ प्रभु के लिए काफी खास है और स्पेशल वजह से ही फैन्स उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। सामंथा ने हैदराबाद में नया घर खरीदा है, जो हकीकत में उनके लिए पुराना ही है। फिल्म प्रोड्यूसर मुरली मोहन ने अपने एक रीसेन्ट इंटरव्यू में खुलासा किया कि हैदराबाद में जिस बिल्डिंग में सामंथा अपने एक्स हसबैंड नागा चैतन्य के साथ रहती थीं, उसे ही सामंथा ने दोबारा बढ़े दाम पर खरीदा है। दरअसल दोनों के अलग होने के बाद ये घर बिक गया था, जिसके बाद एक्ट्रेस ने मालिकों से बात की और यह घर फिर से खरीद लिया और जहां अब में वो अपनी मां के साथ रह रही हैं। सामंथा के इस फैसले की फैंस खूब तारीफ कर रहे हैं।